4
चतुर्थः पाठः

नीतिवचनानि

विधिलिङ् लकार (चाहिए अर्थ में)

मनसा चिन्तितं कार्यं, वाचा नैव प्रकाशयेत्।
मन्त्रवद् रक्षेत् गूढं, कार्ये चापि नियोजयेत्।।

त्यजेत् एकं कुलस्यार्थे, ग्रामस्यार्थे कुलं त्यजेत्।
ग्रामं जनपदस्यार्थे, आत्मार्थे पृथिवीं त्यजेत्।।

आपात्काले तु संप्राप्ते, यद् मित्रं मित्रमेव तत्।
वृद्धिकाले तु संप्राप्ते, दुर्जनः अपि सुहृद् भवेत्।।

वृत्तं यत्नेन संरक्षेत्, वित्तमायाति याति च।
अक्षीणो वित्ततः क्षीणो, वृत्तस्तु हतो हतः।।

सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्, मा ब्रूयात् सत्यमप्रियम्।
प्रियं च नानृतं ब्रूयात्, एष धर्मः सनातनः।।

शब्दार्थाः (WORD MEANINGS)

गूढ़म्	छिपा हुआ	Hidden
कुलम्	एक वंश में उत्पन्न लोग	People born in one family
अप्रियम्	जो अच्छा न लगे	Disliked
अनृतम्	असत्य, झूठ	False / Untrue
आपात्काले	विपत्ति के समय में	In the time of calamity
सुहृद्	मित्र	Friend
वृतम्	चरित्र	Character
वित्तम्	धन	Wealth / Money
वित्ततः क्षीणः	धनहीन, गरीब	Poor
हतः	नष्ट हो जाना	Destroy

क्रिया (VERB)

रक्षेत्	(रक्ष्)	रक्षा करनी चाहिए	Ought to save
त्यजेत्	(त्यज्)	त्यागना चाहिए	Ought to give up
संरक्षेत्	(सम् + रक्ष्)	रक्षा करनी चाहिए	Ought to save
ब्रूयात्	(ब्रू)	बोलना चाहिए	Ought to speak

याद रखिए

जिन वाक्यों में चाहिए, इच्छा, सम्भावना आदि के भाव प्रकट हों, उनकी क्रिया **विधिलिङ् लकार** की होती है। जैसे – बालकः **पठेत्**।

अभ्यास (Exercises)

मौखिक (Oral)

1. सूक्तियों को कण्ठस्थ कीजिए (Learn the verses) –
2. उच्चारण कीजिए (Pronunciate) –
   नियोजयेत्, रक्षेत्, संरक्षेत्, त्यजेत्, वदेत्।

लिखित (Written)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए (Answer the following questions in Sanskrit) –

(क) मनसा चिन्तितं कार्यं कथं रक्षेत् ?

____

____

(ख) कं यत्नेन संरक्षेत् ?

____

____

(ग) कः मित्रं भवति ?

____

____

(घ) किं कार्यं नैव प्रकाशयेत् ?

____

____

2. संधि–विच्छेद कीजिए (Disjoin the words) –

(क) मित्रमेव = ________ + ________

(ख) जनपदस्यार्थे = ________ + ________

(ग) नानृतम् = ________ + ________

(घ) सत्यमप्रियम् = ________ + ________

(ङ) चापि = ________ + ________

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (Fill in the blanks) –

(क) आत्मार्थे ________ त्यजेत्।

(ख) ________ कुलं त्यजेत्।

(ग) सत्यं ________ प्रियं ब्रूयात्।

(घ) वृत्तं ________ संरक्षेत्।